7

पतंग

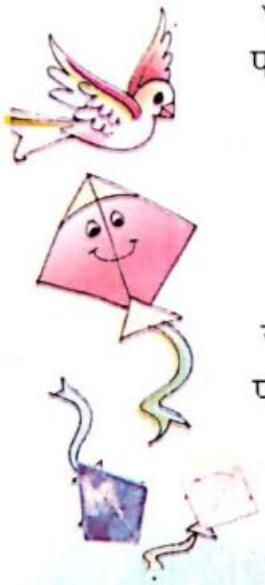

24PAYA

सर–सर सर–सर उड़ी पतंग,
फर–फर फर–फर उड़ी पतंग।
इसको काटा, उसको काटा,
खूब लगाया सैर सपाटा।
अब लड़ने में जुटी पतंग,
अरे कट गई, लुटी पतंग !
सर–सर सर–सर उड़ी पतंग,
फर–फर फर–फर उड़ी पतंग।

– सोहन लाल द्विवेदी

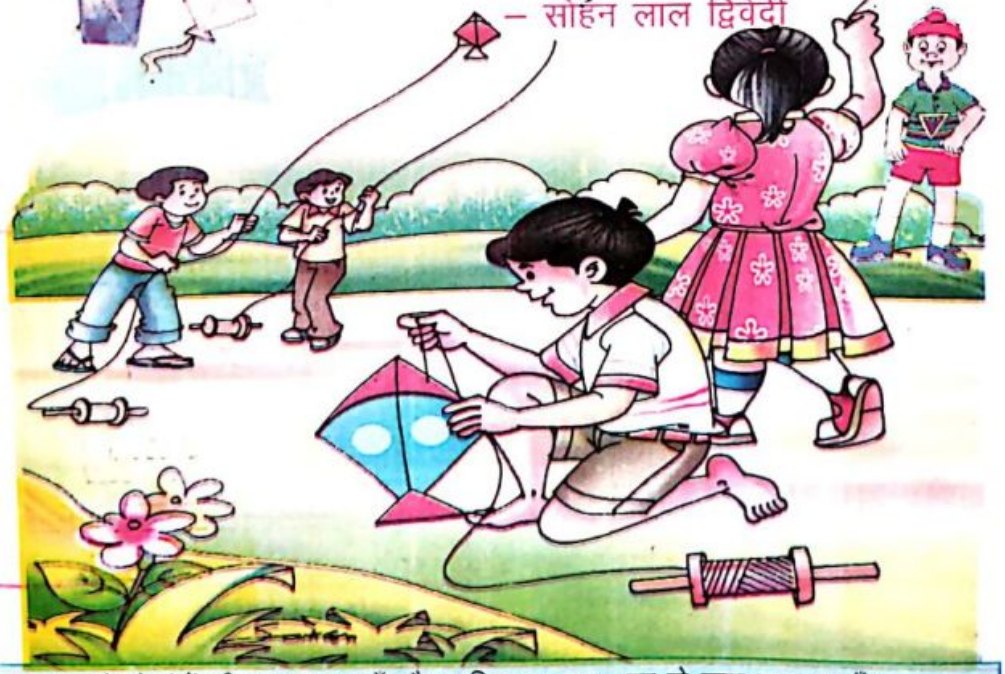

पतंगों के रंगों की पहचान कराएँ और कविता का हाव–भाव के साथ गान कराएँ।

1. **बताओ** –
   (क) कैसे उड़ी पतंग ?
   (ख) कितने बच्चों के पास पतंग?
   (ग) कितने रंगों की पतंग ?
   (घ) किन–किन रंगों की पतंग ?
   (ङ) कितनी कटी पतंग ?
2. **पढ़ो और लिखो**– सर–सर, फर–फर, सैर–सपाटा।
3. ऐसे पाँच शब्द और बोलो जिनमें **'र'** आता हो, जैसे–
   रजत, तरबूज, टमाटर .....
4. **'र' से मिलाकर शब्द बनाओ जैसे**– रख

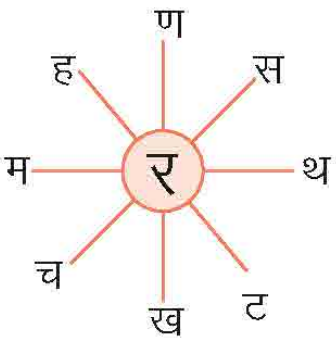

....

5. शमा को पतंग तक पहुँचाओ

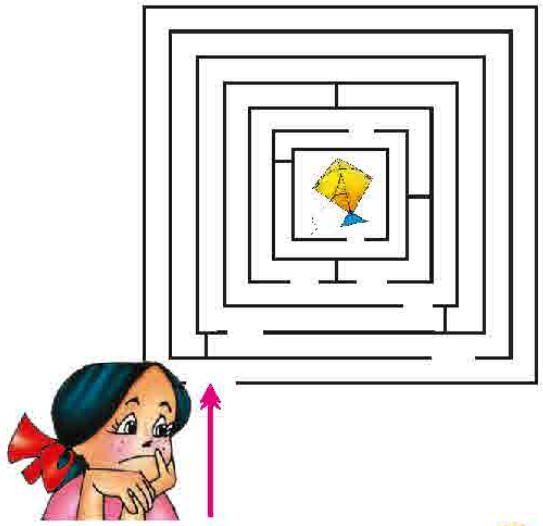

6. जिन चीजों को खाते हैं, उन पर ◯ बनाओ।
खेलने की चीजों पर □ बनाओ–

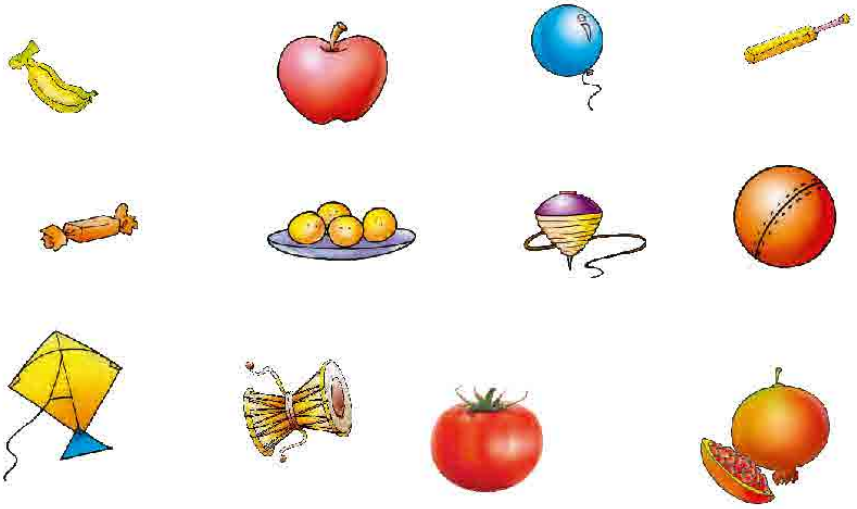

7. रंग भरो–

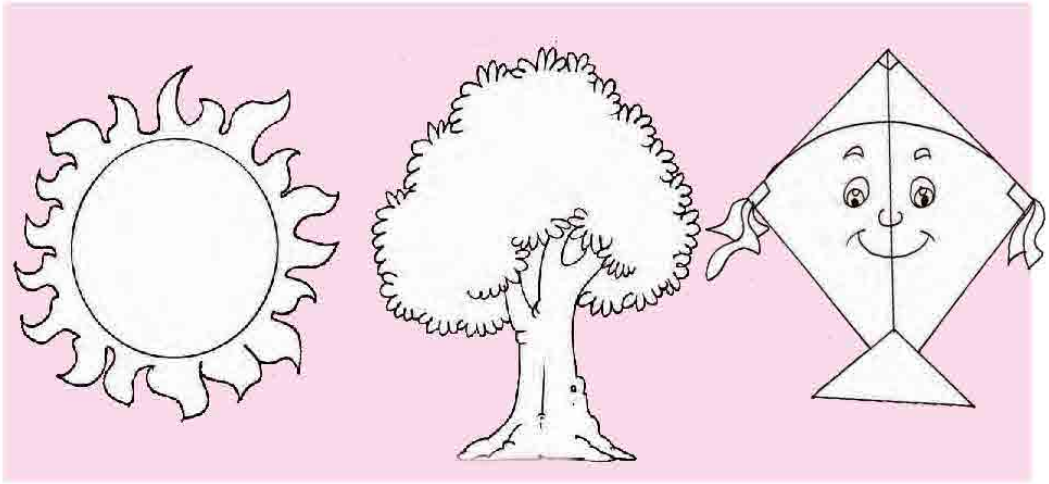

- बिना मात्रा वाले शब्दों से बनने वाले परिचित वाक्यों का अभ्यास कराएँ, जैसे सरपट चल, बरतन रख आदि। आसमान में और क्या–क्या उड़ते देखा है, पर बातचीत करें।

कितना सीखा ?

1. देखो और बताओ–

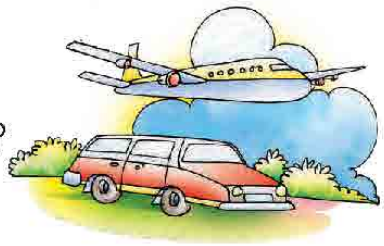

कौन नीचे ?

कौन ऊपर ?

कौन अंदर ?

कौन बाहर ?

2. देखो, गिनो और मिलाओ –

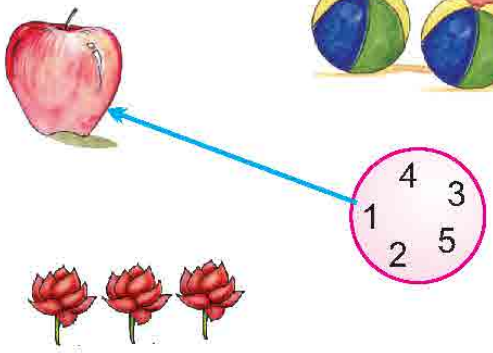

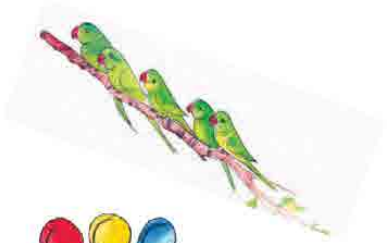

3. चित्र देखकर शब्द पूरा करो–

.....नार

.....र

....ल

.....छली

.....तंग

4. बताओ– सुबह से शाम तक तुम क्या–क्या करते हो ?

बच्चों से हरी पट्टी, श्यामपट्ट अथवा कॉपी पर वर्णों को लिखकर बोलने के अभ्यास कराएँ।